A–0447

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–504

M.A. Sanskrit (MASL)

नाटक एवं नाट्यशास्त्र (भाग एक)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्यशास्त्र के प्रतिपाद्य का विस्तार से वर्णन कीजिये।
2. दशरूपक के अनुसार रस की समीक्षा कीजिये।
3. भेदोल्लेख पुरस्सर नायक के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिये।
4. अर्थोपक्षेपकों का वर्णन कीजिये।

5. सोदाहरण नाटक के स्वरूप का निरूपण कीजिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रणम्य शिरसा देवौ पितामहमहेश्वरौ।
   नाट्यशास्त्रं प्रवक्ष्यामि ब्रह्मणायदुदाहृतम्।
2. धर्मो धर्मप्रवृत्तानां कामः कामोपसेविनाम्।
   निग्रहो दुर्विनीतानां विनीतानां दमक्रिया॥
3. ग्राम्यधर्मप्रवृत्ते तु कामलोभवशं गते।
   ईर्ष्याक्रोधादिसंमूढे लोके सुखितदुःखिते॥
4. दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम्।
   विश्रान्तिजननं लोके नाट्यमेतद् भविष्यति॥
5. शोभा कान्तिश्च दीप्तिश्च माधुर्यं च प्रगल्भता।
   औदार्यं धैर्यमित्येते सप्त भावा अयत्नजाः॥
6. द्वेधा विभागः कर्तव्यः सर्वस्यापीह वस्तुनः।
   सूच्यमेव भवेत् किञ्चिद् दृश्यश्रव्यमथापरम्॥
7. अङ्कावतारस्त्वङ्कान्ते पातोऽङ्कस्याविभागतः।
   एभिः संसूचयेत् सूच्यं दृश्यमकैः प्रदर्शयेत्॥
8. एभिरङ्गैश्चतुर्धेयं नार्थवृत्तिरतः परा।
   चतुर्थी भारती सापि वाच्या नाटकलक्षणे॥

****